दिनांक 10 अप्रैल/17 अप्रैल, 1995

क्रमांक 755-ज-II-95/5083.—श्री सूरजमल, पुत्र श्री राम प्रकाश, निवासी गांव बादली, तहसील झज्जर (अब बहादुरगढ़, जिला रोहतक को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 20117-जन-III-66/21524, दिनांक 24 अक्तूबर, 1966 द्वारा 100 रुपये वार्षिक और बाद में प्रति सूचना क्रमांक 5041-आर.III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये वार्षिक और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1889-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री सूरजमल की दिनांक 19 फरवरी, 1989 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री सूरजा उर्फ सूरजमल की विधवा श्रीमति उमरो के नाम खरीफ, 1989 से खरीफ, 1992 से 300 रुपये वार्षिक की दर से तथा रबी, 1993 से 1000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

श० ल० वधवा,

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग।

## POWER DEPARTMENT

The 31st March, 1995

**No. 1/11/93-1MIP.**—In exercise of the powers conferred by Sub Section (2) of Section 5 of Electricity (Supply) Act, 1949 read with Sub-Sections (4) and (5) of Section 5 of the said Act, and Rule 3 of Punjab State Electricity Board Rules, 1959, the Governor, of Haryana is pleased to appoint Sh. S. P. Grover, EIC/MM Haryana State Electricity Board, Panchkula as Member Technical (Operations) Haryana State Electricity Board, Panchkula vice Sh. M. L. Chawla with effect from 1st April, 1995.

VISHNU BHAGWAN,

Financial Commissioner & Secretary to Government, Haryana,
Irrigation and Power Deptt.

## CONSOLIDATION DEPARTMENT

The 26th March, 1995

**No. 514-ARS-I-95/4953.**—In consultation with the Haryana Public Service Commission, the Governor of Haryana is Pleased to prescribe the following method of recruitment and experience for promotion to the post of Superintendent of the Consolidation of Holdings Department, with immediate effect:—

| | |
|---|---|
| 1. Method of recruitment | (i) by promosion amongst the Deputy Superintendents and Assistants. |
| | (ii) by transfer or deputation of an official already in the Service of the Government of India or of any State Government holding a ministerial post, provided that the appointment in this manner shall be made only when no such person is available for appointment by promotion. |
| 2. Experience | One year experience as Deputy Superintendent or ten years experience as Assistants. |

J. D. GUPTA,
Secretary to Government, Haryana,
Consolidation Department.